

सखि..... आये न श्याम-

हमारे अँगना ॥२॥

चुन-चुन कलियाँ-सेज बिद्दाई  
सेज बिद्दाई कान्हा सहज बिद्दाई  
जागत रही मैं-सब रैना ॥२॥

आये न श्याम----

सावन मास में-मेंहदी रचाई  
मेंहदी रचाई कान्हा तोहे बचाई  
चूड़ी खनक रहीं-संग कंगना ॥२॥

आये न श्याम----

रो-रो हे हरि-पंथ निहारुं  
पंथ निहारुं कान्हा तोहे पुकारुं  
आ जाओ श्याम-मेरे सजना ॥२॥

आये न श्याम----

आओ "श्रीबाबाश्री" तरसन लागीं अँखियाँ  
आज बहे अँसुअन झरना ॥२॥

आये न श्याम-----